एचपीवी और सर्वाइकल कैंसर के बीच संबंध की जांच

क्या सचमुच एचपीवी और सर्वाइकल कैंसर के बीच कोई संबंध है?

१. क्या सर्वाइकल कैंसर या एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं?

२. क्या एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है?

३. क्या एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है?

४. क्या एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है?

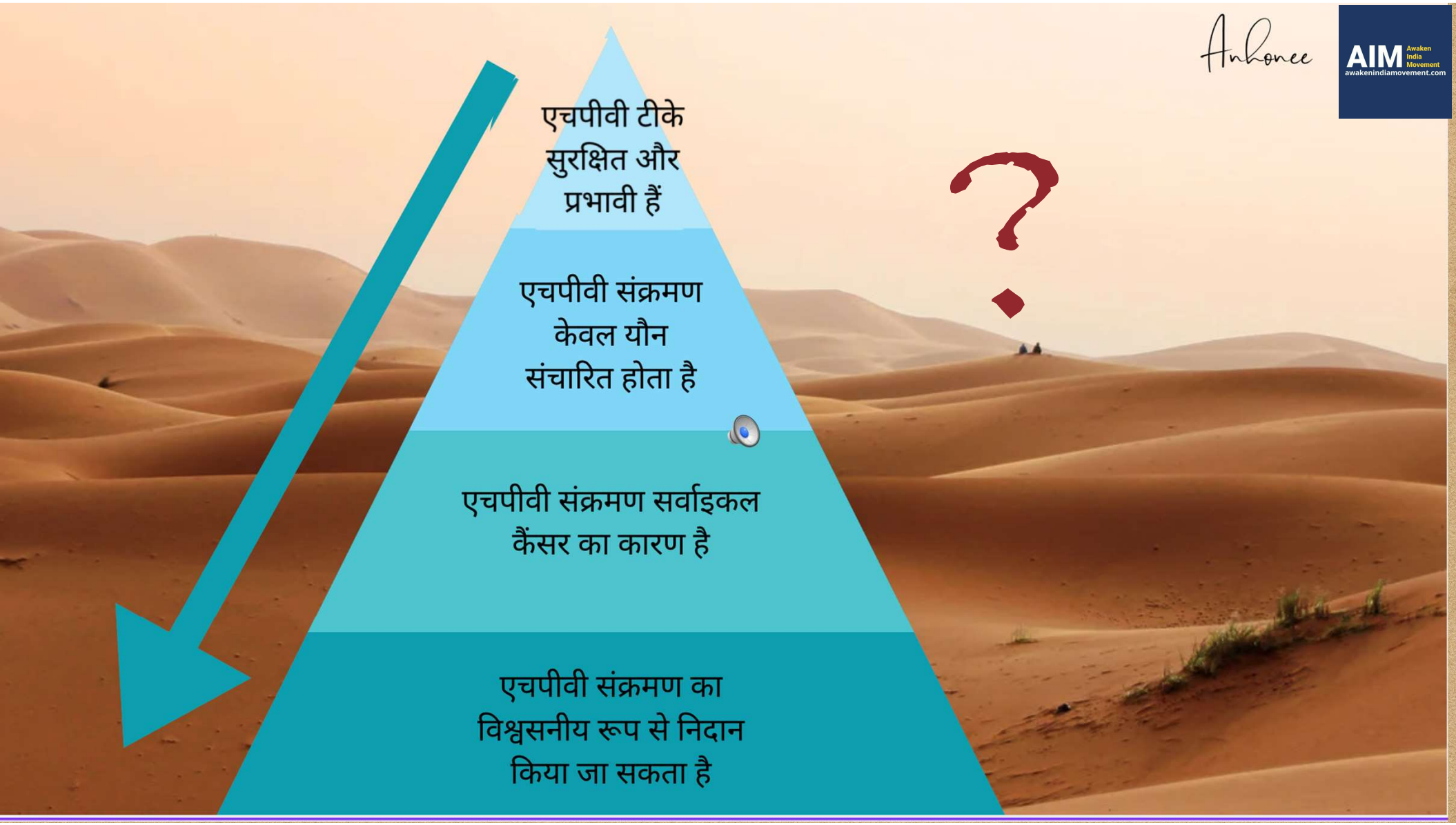
Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है
?

क्या सर्वाइकल कैंसर या एचपीवी टीके सुरक्षित हैं?

AIM Awaken India Movement
awakenindiamovement.com

WHO ने एचपीवी वैक्सीन के बाद **1,39,000** से अधिक प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट की है, जिसमें **हजारों चिकित्सा स्थितियां** शामिल हैं।

अमेरिका ने अपने वैक्सीन प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग प्रणाली में 77,000 से अधिक प्रतिकूल घटनाओं को सूचीबद्ध किया है, जिसमें 570 से अधिक मौतें शामिल हैं।

यूरोप ने एचपीवी वैक्सीन के बाद 40,000 से अधिक प्रतिकूल घटनाओं को सूचीबद्ध किया है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा nervous system disorders हैं।

भारत में ही, 2009 में एचपीवी वैक्सीन का परीक्षण दुखद साबित हुआ, जिसमें 7 मौतें रिपोर्ट की गईं। इसके अतिरिक्त, सैकड़ों लड़कियों में seizures (दौरे) और मासिक धर्म संबंधी समस्याओं जैसे दुष्प्रभावों की सूचना मिली|

एचपीवी वैक्सीन के बाद के दुष्प्रभाव जिसके लिए अदालत ने मुआवजा देने का आदेश दिया है

एसिटाबुलर लेब्रम टियर
एक्यूट डिसेमिनेटिंग एन्सेफेलोमाइलाइटिस (ADEM)
मल्टीपल स्केलेरोसिस (MS) का बढ़ना
एप्लास्टिक एनीमिया
ऑटोइम्यून लिम्बिक एन्सेफलाइटिस
रक्त के थक्के
कार्डियक अरेस्ट
कार्डियोमायोपैथी
कार्डियक एरिथमिया
कार्डियक अरेस्ट
डिमाइलीटिंग डिसऑर्डर
डिमाइलेटिंग एन्सेफलाइटिस
विकास संबंधी देरी
चक्कर आना
मिर्गी
एपस्टीन बार वायरस (पुनः सक्रिय)

मिर्गी

बेहोशी
थकान
गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस)
सिरदर्द
हेनोच शोनलेन पुरपुरा
हिप इंपिंगमेंट सिंड्रोम
जोड़ों का दर्द
किशोर एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस)
मैक्रोफैजिक मायोफैसिसिटिस (एमएफएफ)
मायोकार्डिटिस
न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका (एनएमओ)

मायोकार्डिटिस
न्यूट्रोफिलिक पित्ती
ऑप्टिक न्यूरिटिस

अग्नाशयशोथ
फोटोफोबिया
पॉलीआर्थराइटिस
पॉलीआर्थ्राल्जिया दर्द सिंड्रोम
रुमेटीइड गठिया
स्नैपिंग हिप सिंड्रोम
सबराचनोइड रक्तस्राव
सिस्टमिक जुवेनाइल इडियोपैथिक गठिया
ट्रांसवर्स मायलाइटिस
अल्सरेटिव कोलाइटिस
पित्ती
विटिलिगो
उल्टी
वेस्टन हर्स्ट रोग

मृत्यु

स्रोत: https://www.uscfc.uscourts.gov/aggregator/sources/8

क्या सर्वाइकल कैंसर या एचपीवी टीके प्रभावी हैं?

AIM Awaken India Movement awakenindiamovement.com

टीके की दीर्घकालिक प्रभावकारिता अप्रमाणित है क्योंकि सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामले 35 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में होते हैं, जबकि टीके का परीक्षण किशोरियों में किया गया है।

कोस्टा रिका में बाइवेलेंट एचपीवी वैक्सीन के 11 साल के अनुवर्ती अध्ययन में, जो लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित हुआ था, समय के साथ प्रभावकारिता में गिरावट देखी गई (वह भी सरोगेट यानी कैंसर से पहले के घाव को मापते हुए, सर्वाइकल कैंसर की घटना को नहीं), टीकाकरण और गैर-टीकाकरण समूहों के बीच उच्च जोखिम वाले सर्वाइकल घावों के प्रसार में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। क्या यह वह परिणाम है जिसकी कोई प्रभावी वैक्सीन से अपेक्षा कर सकता है?

स्वीडन में अत्यधिक टीकाकरण वाले युवा आयु समूहों में सर्वाइकल कैंसर की दर में वृद्धि देखी गई, जिसमें एचपीवी टीकाकरण के साथ सर्वाइकल कैंसर की घटनाओं में वृद्धि के संबंध पर सवाल उठाया गया।(इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स, प्रकाशित लेख को वैज्ञानिक आधार पर नहीं, बल्कि इसलिए वापस लिया गया क्योंकि लेखक ने सुरक्षा कारणों से छद्म नाम का उपयोग किया था)।

अमेरिका में, सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण के बावजूद, सर्वाइकल डिसप्लेसिया के 419 मामले, तथा सर्वाइकल कैंसर के 246 मामले सामने आए हैं (US VAERS डेटा)।

Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

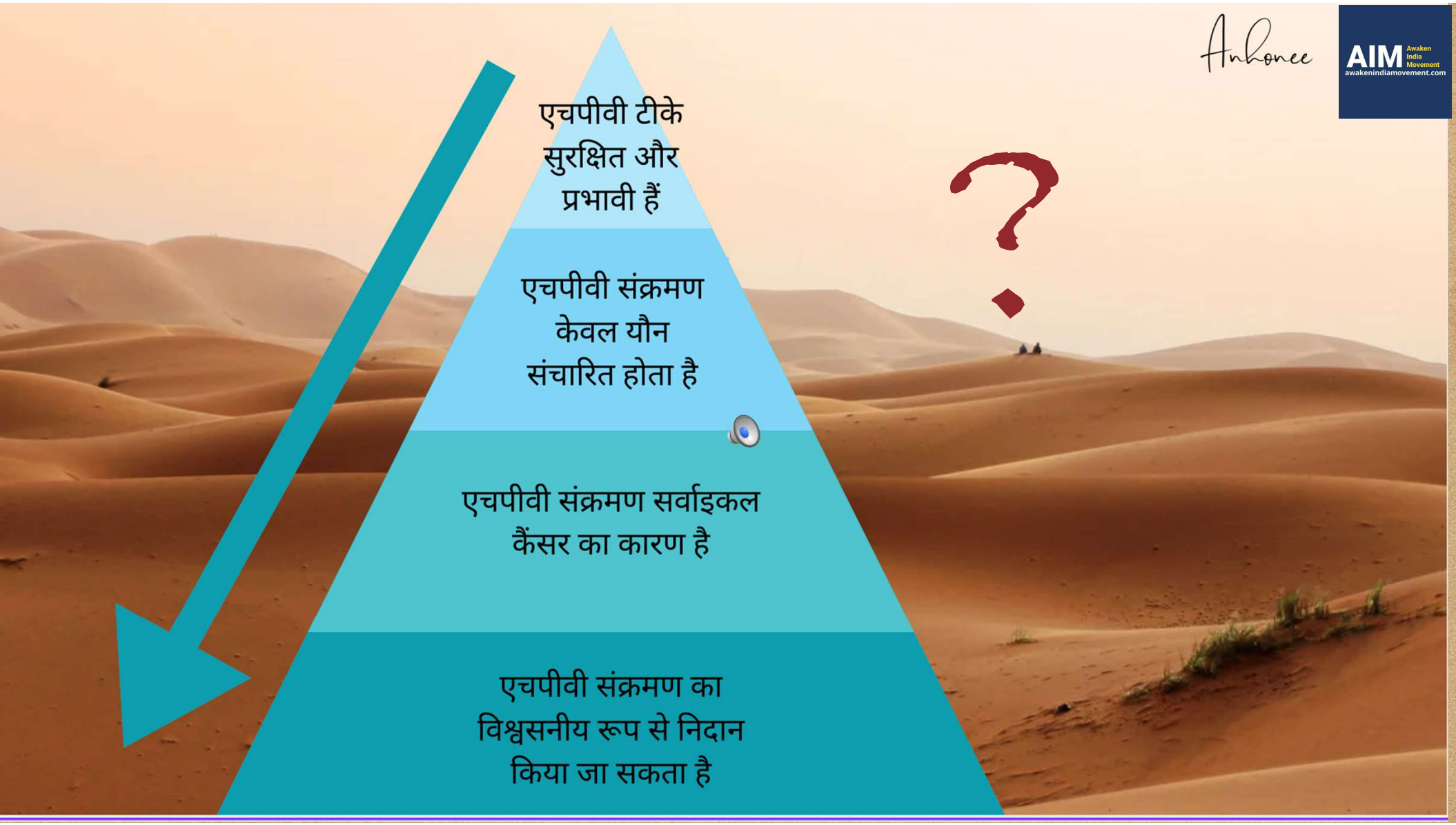
Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

क्या एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है?

AIM Awaken India Movement awakenindiamovement.com

2022 में, प्रकाशित जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में, एक अध्ययन में आधे से अधिक शिशुओं और बच्चों में 3 वर्ष की आयु तक एचपीवी संक्रमण के पिछले प्रमाण प्रदर्शित किए गए|

जर्मनी में 12,257 बच्चों के बीच पूर्व में HPV संक्रमण के इतिहास के एक बड़े अध्ययन से पता चला कि 64% बच्चे कम से कम एक HPV प्रकार के प्रति सीरोपॉजिटिव थे।

अध्ययनों से यह बात स्वीकार की गई है कि एचपीवी संक्रमण यौन और गैर-यौन रूप से फैल सकता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि बच्चे एचपीवी से कैसे संक्रमित होते हैं।

स्पष्टतः, यह तर्क कि एच.पी.वी. संक्रमण यौन संचारित होता है और इसलिए यौन सक्रिय होने की आयु से पहले एच.पी.वी. टीकाकरण आवश्यक है, पूरी तरह से निराधार है।

Anhonee
AIM Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

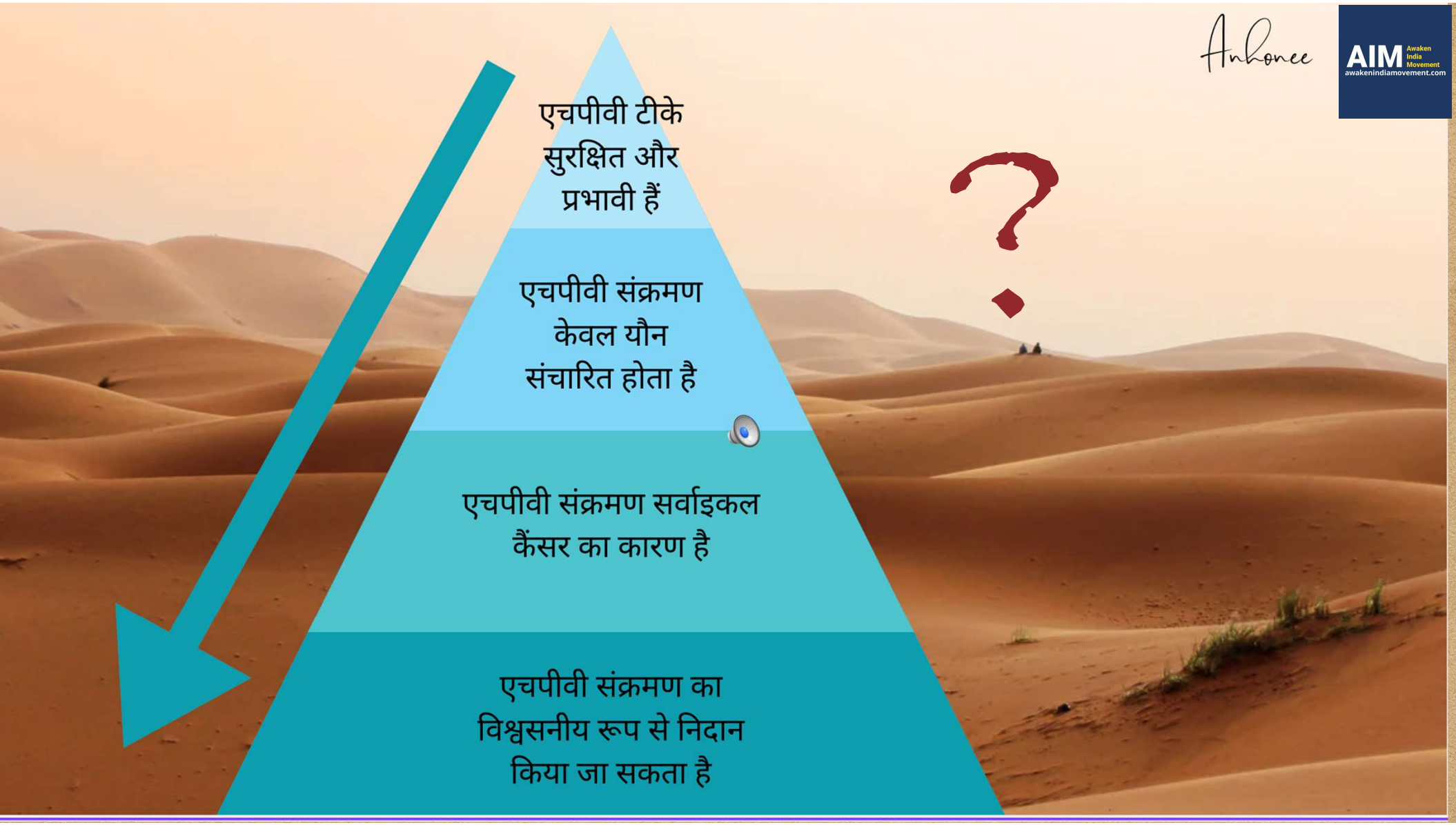
Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है
?

क्या एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है?

क्लीनिकल इन्फेक्शियस डिजीज, ब्रिटिश जर्नल ऑफ कैंसर और आयरिश जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस जैसी पत्रिकाओं में कई अध्ययनों ने इस बात पर जोर दिया है कि सर्वाइकल कैंसर के एटियोलॉजी में कई कारक शामिल हैं, और सर्वाइकल कैंसर के प्रकट होने के लिए एचपीवी संक्रमण आवश्यक या पर्याप्त नहीं है।

इसमें शामिल विभिन्न कारकों में गर्भनिरोधक गोलियों (contraceptive pills) का लंबे समय तक उपयोग, धूम्रपान, कई गर्भधारण और अनुचित पोषण शामिल हैं।

ICMR द्वारा 19 अध्ययनों के मेटा विश्लेषण ने सर्वाइकल कैंसर के प्रकट होने में एक निश्चित जोखिम के रूप में गर्भनिरोधक गोलियों के लंबे समय तक उपयोग की पहचान की।

लैंसेट पत्रिका में एक अध्ययन में पाया गया कि धूम्रपान कम करने से सर्वाइकल घावों के आकार में कमी आई।

न्यूट्रिशन एंड कैंसर पत्रिका में एक अध्ययन में पाया गया कि एंटीऑक्सीडेंट और एंटीवायरल गुणों वाले कुछ पोषक तत्वों, विटामिन और minerals से भरपूर आहार उच्च ग्रेड सर्वाइकल घावों को रोकने में प्रभावी था।

इन सभी तथ्यों को देखते हुए, निश्चित रूप से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि एचपीवी सर्वाइकल कैंसर का कारण है।

Anhonee
AIM Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

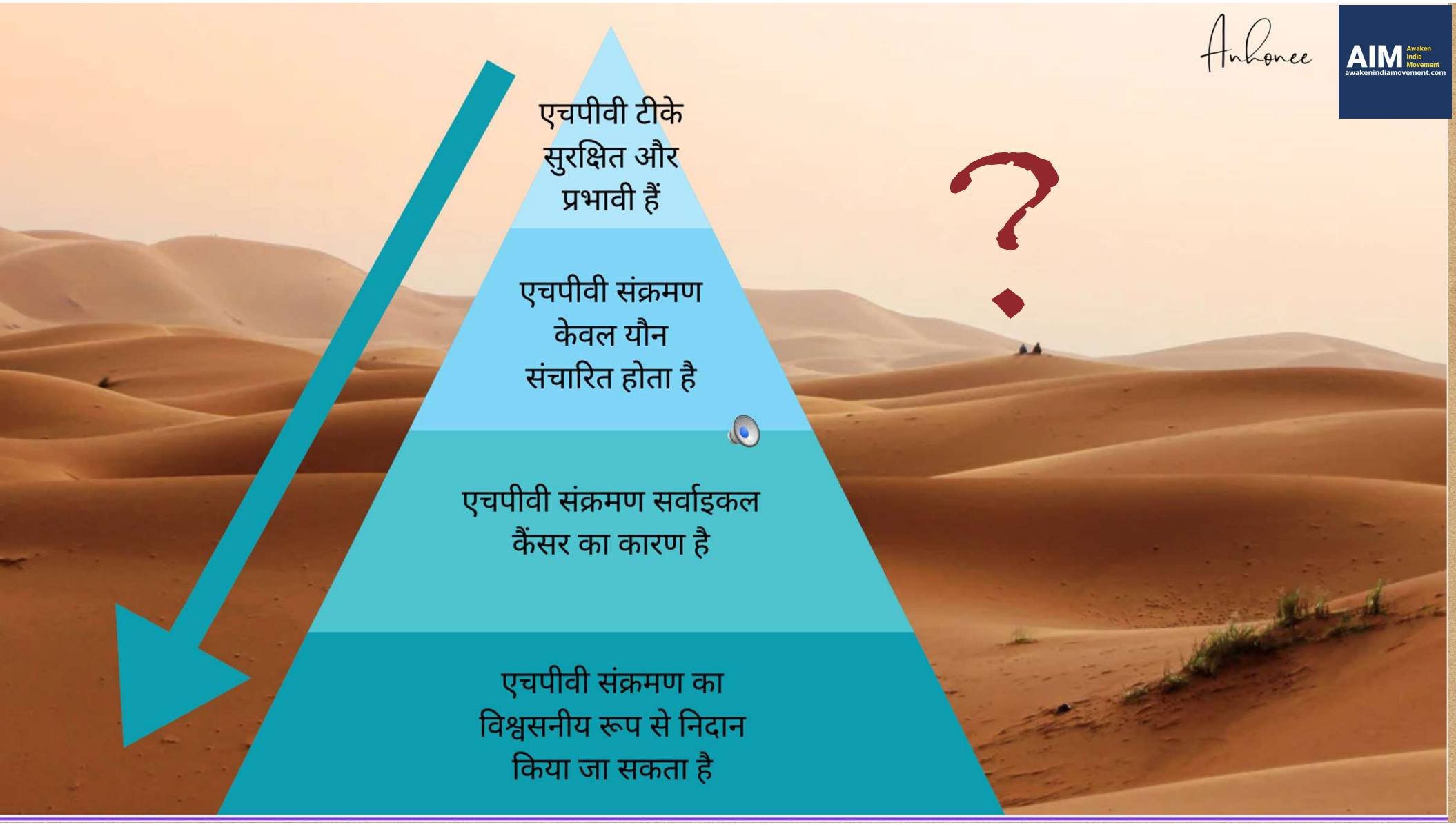
Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है
?

क्या एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है?

एचपीवी संक्रमण के निदान के लिए विभिन्न laboratory tests हैं, जिनमें सदर्न ब्लॉट हाइब्रिडाइजेशन, फ़िल्टर हाइब्रिडाइजेशन, डॉट ब्लॉट हाइब्रिडाइजेशन, इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन और पीसीआर शामिल हैं। जर्नल - Diagnostic Molecular Pathology में एक अध्ययन के अनुसार, इनमें से कोई भी परीक्षण मानकीकृत नहीं है, और सभी में बड़ी कमियाँ हैं।

जबकि कुछ laboratory tests में संवेदनशीलता (sensitivity) कम होती है, अन्य में कम विशिष्टता (specificity) होती है। इसके अलावा, अमेरिकन जर्नल ऑफ़ मेडिसिन के एक लेख के अनुसार, asymptomatic एचपीवी संक्रमण का नैदानिक महत्व निश्चित रूप से स्थापित नहीं है।

मानकीकरण की कमी को देखते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि एचपीवी संक्रमण के निदान का कोई विश्वसनीय तरीका नहीं है।

Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

Anhonee
AIM
Awaken India Movement
awakenindiamovement.com
एचपीवी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं
एचपीवी संक्रमण केवल यौन संचारित होता है
एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का कारण है
एचपीवी संक्रमण का विश्वसनीय रूप से निदान किया जा सकता है

अपने अधिकार को याद रखें - कोई भी टीका अनिवार्य नहीं है और कोई भी आपके बच्चे को जबरन टीका नहीं लगा सकता है

अवेकन इंडिया मूवमेंट ने एक लीगल लेट्टर तैयार किया है जिसे माता-पिता स्कूल प्रिंसिपलों या सामूहिक टीकाकरण शिविरों के आयोजन में शामिल किसी भी अधिकारी के साथ साझा कर सकते हैं। कोई भी टीका अनिवार्य नहीं है, और टीकाकरण को बढ़ावा देने और आयोजित करने वालों के लिए यह अनिवार्य है कि वे माता-पिता को सभी दुष्प्रभावों के बारे में पूरी जानकारी दें और अपने बच्चों को टीका लगाने से पहले माता-पिता की सहमति लें। लीगल लेट्टर का लिंक नीचे दिया गया है|

https://awakenindiamovement.com/legal-letter-for-hpv-vaccines/

AIM

Awaken
India
Movement

awakenindiamovement.com